दीवाली पूजा विधि

DIWALI PUJA VIDHI

घर पर लक्ष्मी-गणेश पूजन: संकल्प से आरती तक



पूजा शुरू करने से पहले

स्नान करके साफ कपड़े पहनें। चौकी, सामग्री और भोग पहले तैयार रखें। बैठकर देखें कि सभी बर्तन हाथ की पहुँच में हों।

मुख्य लक्ष्मी पूजन का समय अपने स्थान के अनुसार देखें। स्थायी मंदिर या परिवार की विधि हो तो उसी का क्रम अपनाएँ।

चौकी और थाली की तैयारी · पूजा की तारीख और मुहूर्त · Diwali Puja Kit की सामग्री

बर्तन अलग रखें, ताकि जल और भोग न मिलें

पूजा का जलपात्र	पीने योग्य साफ जल और चम्मच। इसी से हर बार ताजा जल लें।
अर्पित जल की कटोरी	देवता को अर्पित जल इसमें छोड़ें; इस जल को स्वयं न पिएँ।
हाथ धोने का पात्र	हाथ धोने का जल अलग लें; अर्पित जल की कटोरी में न मिलाएँ।
अर्पण की थाली	फूल, अक्षत, वस्त्र और संकल्प का अर्पण; भोग की थाली अलग।
स्नान की गहरी थाली	केवल स्नान योग्य मूर्ति के जल या पंचामृत को लेने के लिए।

पूजा का क्रम

आचमन और संकल्प · गणेश पूजन · लक्ष्मी का ध्यान और जल · स्नान · वस्त्र, तिलक और फूल · धूप-दीप · भोग · पुष्पांजलि और आरती

आचमन करें और संकल्प लें

चरण 1 · सामग्री: पीने योग्य जल, चम्मच, अक्षत, फूल और साफ कपड़ा



आचमन के लिए थोड़ा जल



संकल्प के लिए जल, अक्षत और फूल

पहले: स्वयं आचमन करें

बाएँ हाथ से चम्मच उठाकर दाईं हथेली में थोड़ा जल लें। पहला मंत्र बोलें और हथेली से थोड़ा जल ग्रहण करें। हर अगले मंत्र से पहले ताजा जल लें।

आचमन के मंत्र

ॐ अच्युताय नमः।
ॐ अनन्ताय नमः।
ॐ गोविन्दाय नमः।

तीनों बार आचमन के बाद हाथ धोएँ। यह जल हाथ धोने के अलग पात्र में लें और हाथ पोंछें।

परिवार में आचमन का सीखा हुआ क्रम अलग हो तो वही करें।

फिर: पूजा का संकल्प लें

दाईं हथेली में थोड़ा जल, कुछ अक्षत और एक फूल लें। अपना नाम और स्थान कहकर संकल्प बोलें।

हिंदी संकल्प का उदाहरण

“मैं, _____ (नाम), _____ (स्थान) में दीवाली पर श्रीगणेश और माता लक्ष्मी की पूजा का संकल्प लेता/लेती हूँ। यह पूजन मेरे परिवार के कल्याण, सद्बुद्धि और सुख-शांति के लिए है।”

संकल्प के बाद हथेली का जल, अक्षत और फूल अर्पण की थाली में छोड़ें। हाथ धोकर पोंछ लें।

इसके बाद: पहले गणेश जी का संक्षिप्त पूजन करें।

पहले गणेश जी का पूजन करें

चरण 2 · जल, चंदन या रोली, अक्षत, फूल, धूप, दीप और भोग पास रखें।



हाथ जोड़कर प्रणाम करें

गणेश मंत्र

ॐ गं गणपतये नमः।

अर्थ: गणपति को नमस्कार। प्रत्येक अर्पण के साथ यह मंत्र भी बोल सकते हैं।

इस क्रम से अर्पित करें

1. **चरणों के लिए जल।** दाएँ हाथ में चम्मच लेकर थोड़ा जल लें। कहें, “गणेश जी, चरणों के लिए जल स्वीकार करें।” जल अर्पित जल की कटोरी में छोड़ें।

2. **स्वागत का जल।** फिर ताजा जल लें। कहें, “गणेश जी, यह अर्घ्य स्वीकार करें।” उसी कटोरी में जल छोड़ें।

3. **तिलक, अक्षत और फूल।** मूर्ति पर थोड़ा चंदन या रोली लगाएँ। अक्षत और फूल चरणों में रखें। तस्वीर हो तो ये सामग्री अर्पण की थाली में दें।

4. **धूप, फिर दीप।** पहले धूपदान दिखाकर वापस रखें। फिर थाली में रखा दीपक दिखाएँ और सुरक्षित आधार पर रख दें। पकड़ने का तरीका पृष्ठ 7 पर है।

5. **भोग और जल।** फल या मिठाई सामने रखकर कहें, “गणेश जी, भोग स्वीकार करें।” फिर थोड़ा ताजा जल अर्पित करें और अर्पित जल की कटोरी में छोड़ें।

हिंदी प्रार्थना

“हे गणेश जी, हमारा पूजन स्वीकार करें और हमें सद्बुद्धि दें।”

इसके बाद: अब लक्ष्मी जी का ध्यान, स्वागत और जल अर्पण करें।

लक्ष्मी जी का ध्यान और जल अर्पण

चरण 3 और 4 · सामग्री: फूल, अक्षत, जलपात्र, चम्मच और अर्पित जल की कटोरी

ध्यान, आवाहन और आसन

हाथ जोड़कर कमल पर विराजमान माता लक्ष्मी का ध्यान करें। एक फूल लेकर यह हिंदी प्रार्थना कहें:

“हे माता लक्ष्मी, हमारी पूजा स्वीकार करें। आपका श्रद्धापूर्वक स्वागत है।”

फूल चरणों में या अर्पण की थाली में रखें। फिर कुछ अक्षत देकर कहें, “माता, कृपया आसन स्वीकार करें।”



जल मूर्ति पर नहीं, अलग कटोरी में छोड़ा जा रहा है।

इसके बाद तीन बार जल अर्पित करें

हर बार दाएँ हाथ में चम्मच लेकर ताजा जल लें। देवता के सामने क्षण भर थामें, नीचे दी प्रार्थना कहें और अर्पित जल की कटोरी में छोड़ें।

1. पाद्य चरणों के लिए जल	“माता लक्ष्मी, आपके चरणों के लिए यह जल स्वीकार करें।”
2. अर्घ्य स्वागत का जल	“माता लक्ष्मी, स्वागत के लिए यह अर्घ्य स्वीकार करें।”
3. आचमनीय देवी के आचमन का जल	“माता लक्ष्मी, आचमन के लिए यह जल स्वीकार करें।”

ये देवी को अर्पित किए गए जल हैं; इन्हें स्वयं न पिएँ। अपना आचमन पृष्ठ 2 पर हो चुका है। हाथ धोने का जल भी इस कटोरी में न लें।

इसके बाद: अपनी मूर्ति या तस्वीर के अनुसार स्नान अर्पित करें।

मूर्ति या तस्वीर के अनुसार स्नान

चरण 5 · हिंदी प्रार्थना: “माता लक्ष्मी, स्नान के लिए यह अर्पण स्वीकार करें।”





जल से स्नान योग्य मूर्ति

सामग्री: गहरी स्नान-थाली, साफ जल और मुलायम कपड़ा। परंपरा में हो तो पंचामृत भी।

1. जल से खराब न होने वाली मूर्ति स्नान की थाली में रखें। थोड़ा साफ जल अर्पित करें।

2. पंचामृत स्नान करते हों तो दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से तैयार पंचामृत अर्पित करें।

3. साफ जल से धोकर मुलायम कपड़े से सुखाएँ। फिर चौकी पर वापस रखें।

तस्वीर, मिट्टी या रंगी प्रतिमा

सामग्री: सूखा मुलायम कपड़ा, साफ जल, चम्मच और अर्पित जल की कटोरी।

1. धूल सूखे कपड़े से साफ करें। तस्वीर, फ्रेम या रंगी सतह को न भिगोएँ।

2. चम्मच में जल लेकर सामने थामें। कहें, “माता लक्ष्मी, स्नान के लिए यह जल स्वीकार करें।” जल अलग कटोरी में छोड़ें।

धातु की मूर्ति पर रंग या सजावट हो तो उसके सफाई-निर्देश देखें; संदेह हो तो यही तरीका चुनें।

इसके बाद: वस्त्र और तिलक अर्पित करें। स्नान का जल या पंचामृत खाने वाले प्रसाद में न मिलाएँ।

वस्त्र, तिलक, अक्षत और फूल चढ़ाएँ

चरण 6 · सामग्री: छोटा वस्त्र या मौली, चंदन या रोली, साबुत चावल और फूल



वस्त्र पहनाना



अक्षत और फूल अर्पित करना

1 वस्त्र अर्पित करें

छोटा साफ वस्त्र पहनाएँ। पहनाना संभव न हो तो वस्त्र या प्रतीक के रूप में मौली अर्पण की थाली में रखें।

2 तिलक करें

मूर्ति के मस्तक पर थोड़ा चंदन या रोली लगाएँ। तस्वीर या रंगी सतह पर दाग का डर हो तो सामग्री थाली में अर्पित करें।

3 अक्षत दें

कुछ साबुत चावल मूर्ति के चरणों में रखें। तस्वीर की पूजा में सामने रखी अर्पण की थाली में दें।

4 फूल चढ़ाएँ

फूल मूर्ति के चरणों में या अर्पण की थाली में रखें। तस्वीर पर वस्त्र या फूल टिकाना जरूरी नहीं है।

अर्पण का मंत्र

श्रीलक्ष्मीदेव्यै नमः।

अर्थ: श्रीलक्ष्मी देवी को नमस्कार।

इसके बाद: पहले धूप, फिर दीप दिखाएँ।

धूप और दीप दिखाएँ

चरण 7 · सामग्री: धूप, पकड़ने योग्य धूपदान, दीपक, बत्ती, घी या तेल और माचिस





पहले धूप

धूप जलाकर धूपदान में सुरक्षित टिकाएँ। धूपदान उसके पकड़ने वाले हिस्से से उठाएँ और देवी के सामने दिखाएँ।

हिंदी प्रार्थना: “माता लक्ष्मी, यह धूप स्वीकार करें।” फिर धूपदान राख लेने वाली थाली पर वापस रखें।

फिर दीप

दीये में बत्ती और घी या तेल डालकर जलाएँ। गणेश पूजन का जलता दीपक भी ले सकते हैं। उसे थाली में सीधा रखें और किनारे से पकड़ें।

देवी के सामने दिखाकर कहें, “माता लक्ष्मी, यह दीप स्वीकार करें।” फिर थाली समतल, गर्मी सहने वाले आधार पर रखें।

यह दीप अर्पण है; अंतिम आरती पृष्ठ 9 पर है।

लौ से कपड़ा, फूल और कागज दूर रखें। गर्म दीया न छुएँ। जलता दीपक या धूप बिना निगरानी न छोड़ें।

इसके बाद: भोग की थाली सामने रखें और जल अर्पित करें।

भोग लगाएँ और जल अर्पित करें

चरण 8 · सामग्री: फल, मिठाई या घर का प्रसाद, साफ पीने का जल और अलग भोग-थाली



भोग की थाली अलग रखें

ताजे फल, मिठाई या घर में तैयार प्रसाद लें। थाली में रोली, अक्षत, फूल या धूप की राख न आने दें।

पीने योग्य जल का छोटा पात्र भोग के पास रखें। अर्पित जल की कटोरी अलग रहे।

1. **थाली सामने रखें।** ढक्कन हो तो हटाएँ। हाथ जोड़कर लक्ष्मी जी को भोग अर्पित करें। अर्पित भोजन को नैवेद्य कहते हैं।

हिंदी प्रार्थना

“हे माता लक्ष्मी, श्रद्धापूर्वक अर्पित यह भोग स्वीकार करें।”

2. **भोग के बाद जल दें।** चम्मच में ताजा जल लेकर कहें, “माता, पीने के लिए यह जल स्वीकार करें।” अर्पण के बाद जल अर्पित जल की कटोरी में छोड़ें।

3. **फिर आचमन का जल दें।** दोबारा ताजा जल लें। कहें, “माता, आचमन के लिए जल स्वीकार करें।” इसे भी अर्पित जल की कटोरी में छोड़ें। स्वयं न पिएँ।

घर की परंपरा में हो तो: भोग के बाद पान-सुपारी या दक्षिणा अर्पण की थाली में दें। इन्हें इस संक्षिप्त विधि का अनिवार्य चरण न मानें।

इसके बाद: भोग की थाली सामने रहने दें। आरती और प्रणाम के बाद प्रसाद बाँटें।

पुष्पांजलि, आरती और समापन

चरण 9 और 10 · सामग्री: फूल, आरती की थाली और उसमें स्थिर रखा दीपक



फूल लेकर प्रार्थना करें



दीपक की थाली सीधी रखें

1. पुष्पांजलि दें

दोनों हाथों में फूल लेकर हिंदी में प्रार्थना करें: “हे माता लक्ष्मी, हमारे घर में अन्न और आजीविका बनी रहे। हमें धन के उचित उपयोग की बुद्धि दें।” फिर फूल चरणों में या अर्पण की थाली में रखें।

2. गणेश जी, फिर लक्ष्मी जी की आरती करें

आरती के बोल गाते हुए दीपक की थाली देवप्रतिमा के सामने घड़ी की सुई की दिशा में धीरे घुमाएँ। दीया सीधा रखें। आरती पूरी होते ही थाली सुरक्षित समतल आधार पर रख दें।

गणेश और लक्ष्मी आरती के पूरे बोल खोलें

3. प्रणाम, क्षमा-प्रार्थना और प्रसाद

हाथ जोड़कर कहें: “हे गणेश जी और माता लक्ष्मी, पूजा में हुई भूल क्षमा करें। हमारा पूजन स्वीकार करें।” परिवार के सदस्य प्रणाम करें; इसके बाद प्रसाद बाँटें।

घर के मंदिर की मूर्ति अपने स्थान पर रहने दें। दीपक जलता रहे तो देखरेख करें। फूलों से धागा और प्लास्टिक अलग करके स्थानीय फूल-संग्रह या कम्पोस्ट में दें।

satvikly

॥ शुभं भवतु ॥

DIWALIPUJAKIT

पूजा किट ऑर्डर करें

लक्ष्मी-गणेश पूजा के लिए Satvikly Diwali Puja Kit देखें।
Basic में 31 और Complete में 40 प्रकार की सामग्री है।
फूल, फल, मूर्ति और पूजा के बर्तन अलग से लें।

QR स्कैन करें · SCAN TO ORDER

satvikly.com/product/diwali-puja-kit/

WHATSAPP/PHONE

+91 931 178 0821